(iv) पूर्वाग्रह एवं विभेदीकरण में कमी :- सामाजिक परिवर्तन का एक प्रभाव यह हुआ है कि लोगों में अन्य लोगों के प्रति कुछ खास - खास पूर्वाग्रह में कमी आयी है। पाश्चात्य देशों के आधुनिक सामाजिक परिवर्तन हो जाने से गोरे (Whites) की मनोवृत्ति निग्रो (Negroes) के प्रति काफी बदल गयी है। परंतु सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आंदोलन के कारण अब निग्रो के प्रति उनकी मनोवृत्ति प्रतिकूल से बदलकर अनुकूल हो गयी है। पाश्चात्य देशों में ही नहीं बल्कि अपने देश भारत में भी सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आंदोलन के कारण उच्च वर्गों एवं जातियों के लोगों में निम्न एवं हरिजनों के प्रति पूर्वाग्रह में काफी कमी आयी है। उल्टे अब हरिजन एवं दलित नेताओं के चरण स्पर्श करने एवं उनका दर्शन करने के लिए उच्च जाति एवं वर्गों के लोगों की लम्बी कतार देखी जाती है। सामाजिक परिवर्तन से सिर्फ जाति पूर्वाग्रह ही नहीं बल्कि धार्मिक पूर्वाग्रह, समुदाय पूर्वाग्रह, साम्प्रदायिक पूर्वाग्रह आदि में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन आये हैं।

(v) सामाजिक उपलब्धियां :- सामाजिक परिवर्तन से सामाजिक उपलब्धियों

(Social achievements) में भी काफी सफलता मिलती है। सामाजिक परिवर्तन होने से आर्थिक पिछड़ापन (economic backwardness) दूर हुई है जिससे पूरे समाज के सामाजिक - आर्थिक स्तर में काफी सुधार हुआ है। लोगों की उपलब्धि आवश्यकता तथा अर्जन आवश्यकता पहले से अधिक हो गयी है। सामाजिक परिवर्तन के कारण समाज के सदस्य भी प्रविधियों को स्वीकार करते हैं। जिससे उनमें नवीनता, अर्जनात्मकता, अधिक उपलब्धि प्राप्त करने की लालसा आदि में काफी वृद्धि हो गयी है। इससे समाज के आर्थिक विकास में काफी मदद मिली है। परिणामतः सामाजिक उपलब्धियों का स्तर पहले से ऊँचा हो गया है। ध्यान रहे कि सामाजिक परिवर्तन होने के तुरंत बाद भले ही कुछ देर के लिए आर्थिक मंदता की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। परंतु जैसे ही सामाजिक परिवर्तन में सुदृढ़ता आती है, सामाजिक उपलब्धियाँ बढ़ जाती है एवं मंदता समाप्त हो जाती है और समपन्नता में वृद्धि होने लगती है। जैसा कि आज वर्तमान समय में पुरुषों की अपेक्षा महिलाएँ भी उपलब्धियों को प्राप्त करने में पीछे नहीं है। हर क्षेत्र में महिलाएँ भी अपनी उपलब्धियाँ जैसे आधुनिक शिक्षा पद्धति में भी कदम - से - कदम

मिलाकर हर पोस्ट पर स्त्रीयाँ काम कर रही हैं।

स्पष्ट यह है कि सामाजिक परिवर्तन (Social change) के कुछ लाभकारी (Useful) एवं हानिकारक (Harmful) दोनों ही प्रभाव होते हैं। इन दोनों तरह के प्रभावों का संयुक्त विश्लेषण करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि कुछ परिसीमाओं के बावजूद भी सामाजिक परिवर्तन सामाजिक संरचना में एक महत्वपूर्ण अनिवार्य घटना है जिसे अधिक लोग पसंद करते हैं।

सामाजिक परिवर्तन के कुछ खास विशेषताएँ निम्न हैं :-

(1) जाति व्यवस्था (Caste System)

(2) सामाजिक गतिशीलता एवं अनुकूलशीलता (social mobility and adapatability)

(3) सहनशीलता (Tolerance)

(4) अनेकता में एकता (Unity in diversity)

(5) आधुनिकीकरण (Modernisation)